SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam, Mr. Chavan should pull up his junior Minister for making such a statement in this House. *(Interruptions).* No this is a very important matter. *(Interruptions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Gurudas Das Gupta, please sit down. *(Interruptions).*

RE. ATTACK ON JOURNALISTS BY SOME ANTI-SOCIAL ELEMENTS IN BOMBAY

उपसभापति : दिग्विजय सिंह जी, आप बोलिए ।

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : उपसभापति महोदया, मैं आपके माध्य से सरकार का ध्यान एक बड़े ही गंभीर मसले की ओर खींच रहा हूँ । परसों बंबई शहर के कुछ पत्रकार, संपादक एक विषय पर संगोष्ठी करने के लिए एकत्रित हुए थे । संगोष्ठी का विषय था—"सांप्रदायिकता और उस पर उनकी चुनौती" । बम्बई के एक अखबार, जिसका नाम है "महानगर", उसके संपादक श्री निखिल वागले के ऊपर वहां के कुछ असामाजिक तत्वों ने उस मीटिंग में हमला किया । इसके साथ ही वहां दो महिला पत्रकार भी मौजूद थीं, जिनके ऊपर उन असामाजिक तत्वों ने बोतल फोड़कर हमला किया । मैं संगठन का नाम इसलिए नहीं ले रहा क्योंकि उस संगठन का नाम लेने से यहां कुछ लोगों के मन में बेचैनी हो जाएगी ।

महोदया, मैं इस सवाल को गंभीरता से इसलिए उठा रहा हूँ क्योंकि इस सभा में भारत सरकार के एक मंत्री जाने वाले थे और उन भारत सरकार के मंत्री ने उस सभा में जाने से दो मिनट पहले अपना कार्यक्रम स्थगित कर दिया और इसकी सूचना तक उन लोगों को नहीं दी । तो मैं सरकार से यह जानना चाहूँगा कि क्या भारत सरकार के मंत्री के पास ऐसी कोई सूचना थी कि वहां पर कुछ असामाजिक तत्व इस सभा को विखण्डित करने का प्रयास करेंगे । दूसरी बात, बम्बई शहर में और महाराष्ट्र में यह आम बात प्रचलित हो गई है कि जिन लोगों ने वहां पर असामाजिक कार्य किए है, उनके बीच और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के बीच एक समझौता सा है और इसीलिए निखिल वागले के ऊपर यह पहली बार हमला नहीं हुआ, दूसरी बार उनके ऊपर हमला हुआ है । गृह-मंत्री भी यहां बैठे हैं । यह दो गंभीर सवाल पदा हो गए हैं, एक तो भारत सरकार के मंत्री का वहां न जाना, समय पर वहां जाना, स्थगित कर देना और दूसरे महाराष्ट्र के लोगों में इस बात का बैठना । खासकर के जो पढ़े-लिखे लोग है, जो समाज में इस काम को प्रचारित करने का प्रयास कर रहे है कि साम्प्रदायिक सदभाव कैसे बम्बई में फिर से बहाल किया जाए, उनके मन में यह शंका है कि महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री और वैसे संगठन के प्रमुख के बीच कोई तालमेल हो गया है । इसलिए आज आपका यह दायित्व बनता है गृह मंत्री जी कि सदन के माध्यम से देश के लोगों को यह विश्वास दिलाएं कि इस देश में जम्हूरियत जिंदा रहेगी या नहीं रहेगी ? पत्रकारों पर जो अटैक हुआ है, वह सिर्फ पत्रकारों पर नहीं है, बल्कि जो भी लोग इस तरह के काम आज कर रहे है उनके ऊपर इस देश के अलग-अलग हिस्सों में इस तरह के अटैक हो रहे है । इसलिए आपकी आज यह जिम्मेदारी है कि आप इस सदन के माध्यम से देश को बताएं कि इस तरह की प्रक्रिया को रोकने के लिए कौन से कदम आप अपनी तरफ से उठाएंगे ?

श्री मोहम्मद अफ़ज़ल उर्फ मीम अफ़ज़ल : (उत्तर-प्रदेश) मैडम, मैं इनसे अपने को एसोसिएट करता हूँ और यह बताना चाहता हूँ कि यह सेमिनार इंडियन मर्चेंट्स चेम्बर की तरफ से Seminar on Communalism and its impact on Indian economy इस पर हो रहा था । सिर्फ यही नहीं, जो कुछ अभी दिग्विजय जी ने कहा, मैं उसको नहीं दोहराता हूँ । जो वागले साहब पर हमला हुआ, उसके अलावा उसी दिन सुबह बम्बई से एक दैनिक अखबार निकलता है "आज", उसके एडीटर कॉपिल पाटील पर हमला किया लेबर विंग ने, जिस तंजीम का अभी इन्होंने नाम नहीं लिया, उस तंजीम के लेबर विंग ने . . . (व्यवधान)

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी : (उत्तर प्रदेश) नाम लेना कोई गुनाह है ?

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफ़ज़ल : उस लेबर विंग ने, जिसका नाम है "भारतीय कामगार सेना", उसके प्रेजीडेंट ने टेलीफोन करके जान से मारने की धमकी दी और उसके बाद, यही नहीं हुआ, उनके दफ्तर के अंदर उनके पांच-दस वर्कर्स ने आकर वहां के एक क्राइम रिपोर्टर अमित जोशी को मारा और दो दूसरे लोगों को जख्मी कर दिया ।

महोदया, यह कोई पहला वाकया नहीं है बम्बई के अंदर । वागले साहब पर पहले भी हमला हुआ है और वहां पर प्रेस का गला घोंटने की कई बार कोशिश की जा चुकी है । मैडम, अब तक यह होता था कि एक मखसूस तबके के लोगों को मारा जाता था, लेकिन आज अगर जुल्म के खिलाफ अखबारात् के लोग कुछ लिखते है या वह कोई सेमिनार करके समाज के अंदर

उस मामलात् को ठीक करना चाहते हैं तो उन पर हमले किए जाते हैं । तो इस किस्म के 30 लोगों ने वहाँ पर हमला किया, जिसमें से एक लड़का पकड़ा गया और बाकी 29 भाग गए । अभी तक इस सिल-सिले में कितनी गिरफ्तारियाँ की गई हैं, महाराष्ट्र सरकार ने कुछ नहीं बताया है । मैडम, यह खुला प्रेस की आजादी पर हमला है और इसके लिए मैं सख्त मजम्मत करता हूँ उस तंजीम की क्योंकि इस किस्म के हमले पहले भी, अयोध्या के वाक्यात में हमारे जो अखबार वाले थे, कैमरामन थे, उनके ऊपर किए गए और अगर इस तरह से यह जारी रहे तो यह फोर्थ इस्टेट को बचाना मुश्किल हो जाएगा और इस मुल्क में कोई सच्ची बात नहीं कह पाएगा ।

इसलिए मैं आपके माध्यम से वजीरे दाखिला साहिब से यह दरख्वास्त करूंगा कि इसकी बाकायदा इन्क्वायरी होनी चाहिए और इसकी ज्यूडिशियल इंक्वायरी होनी चाहिए कि प्रेस की आजादी पर कौन लोग हैं जो हमला कर रहे हैं और उनको पकड़कर दंडित करना चाहिए ।

†[شری محمد افضل عرف م- افضل (اترپردیش) : میڈم' میں ان سے اپنے کو ایسوسی ایٹ کرتا ہوں اور یہ بتانا چاہتا ہوں کہ یہ سیمنار انٹرن مرچنڈیس چیمبر کی طرف سے

"Seminar on Communalism and its impact on Indian economy".

اس پر ہو رہا تھا- صرف یہی نہیں' جو کچھ ابھی دگ وجے جی نے کہا' میں اس کو نہیں دھراتا ہوں' جو واکلے صاب پر حملہ ہوا' اس کے علاوہ اسی دن صبح بمبئی سے ایک دینیک اخبار نکلتا ہے ''آج'' اس کے ایڈیٹر کیپل پاٹیل نے حملہ کیا لیبرونگ نے جس' تنظیم کا ابھی انہوں نے نام نہیں لیا' اس تنظیم کے لیبرونگ نے...''مداخلت''...

مولانا عبیداللہ خان اعظمی (اترپردیش) : نام لینا کوئی گناہ ہے-

شری محمد افضل عرف م- افضل : اس لیبرونگ نے جس کا نام ہے' ''بھارتیہ کامگار سینا'' اس کے پریزیڈنٹ نے

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

ٹیلی فون کرکے جان سے مارنے کی دھمکی دی اور اس کے بعد' یہی نہیں ہوا' ان کے دفتر کے اندر ان کے پانچ دس ورکرس نے آکر وہاں کے ایک کرائم رپورٹر امت جوشی کو مارا اور دو دوسرے لوگوں کو زخمی کر دیا-

مہدیہ یہ کوئی پہلا واقعہ نہیں ہے بمبئی کے اندر- واکلے صاحب پر پہلے بھی حملہ ہوا ہے اور وہاں پر پریس کا گلا دبوچنے کی کئی بار کوشش کی جا چکی ہے- میڈم' اب تک یہ ہوتا تھا کہ ایک مخصوص طبقہ کے لوگوں کو مارا جاتا تھا' لیکن آج اگر ظلم کے خلاف اخبارات کے لوگ کچھ لکھتے ہیں یا وہ کوئی سیمنار کرکے سماج کے اندر اس معاملات کو ٹھیک کرنا چاہتے ہیں تو ان پر حملے کئے جاتے ہیں- تو اس قسم کے ۳۰ لوگوں نے وہاں پر حملہ کیا' جس میں سے ایک لڑکا پکڑا گیا اور باقی ۲۹ بھاگ گئے- ابھی تک اس سلسلے میں کتنی گرفتاریاں کی گئی ہیں' مہاراشٹر سرکار نے کچھ نہیں بتایا ہے- میڈم' یہ کھلا پریس کی آزادی پر حملہ ہے اور اس کے لئے میں سخت مذمت کرتا ہوں اس تنظیم کی کیونکہ اس قسم کے حملے پہلے بھی ایودھیا کے واقعات میں ہوئے جو اخبارات والے تھے' کیمرہ مین تھے' ان کے اوپر کئے گئے اور اگر اس طرح سے یہ جاری رہے تو یہ فورتھ اسٹیٹ کو بچانا مشکل ہو جائے گا اور اس ملک میں کوئی سچی بات نہیں کہہ پائے گا-

اس لئے میں آپکے مادھیم سے وزیر داخلہ صاحب سے یہ درخواست کروں گا کہ اس کی باقاعدہ انکوائری ہونی چاہئے اور اس کی جوڈیشل انکوئری ہونی چاہیئے کہ پریس کی آزادی پر کون لوگ ہیں جو حملہ کر رہے ہیں اور ان کو پکڑ کر دنڈت کرنا چاہیئے-]

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

उपसभापति : जयपाल रेड्डी जी ।

श्री दिग्विजय सिंह : मैडम, इतना गंभीर सवाल है । बम्बई शहर आतंक के साए में डूबा हुआ है...**(व्यवधान)** ...इस तरह की घटना हो रही है । ...**(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN : I am not allowing. Mr. Jaipal Reddy *(Interruptions)*... Let Mr. Jaipal Reddy say something. *(Interruptions)*. . .

श्री दिग्विजय सिंह : जयपाल जी दूसरे विषय पर बोल रहे हैं, मैं दूसरे विषय पर बोल रहा हूं ।

उपसभापति : हां । उनको दूसरे सवाल पर बोलने दीजिए । ... **(व्यवधान)** ...

श्री दिग्विजय सिंह : मैडम, होम मिनिस्टर साहब बोलें । ...**(व्यवधान)** ... यह बड़ा गंभीर सवाल है, प्रैस की आजादी का सवाल है । ...**(व्यवधान)** ...

उपसभापति : बैठिए । ...**(व्यवधान)** ... जयपाल जी, बोलिए । ...**(व्यवधान)** ...बैठिए । ...**(व्यवधान)** ... आप बैठ जाइए । ... **(व्यवधान)** ...

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी : मैडम, अगर जम्हूरियत ही ...**(व्यवधान)** ... एडीटर मारे जाएंगे ...**(व्यवधान)** ... होम मिनिस्टर साहब बोलें । ...**(व्यवधान)** ...

†[مولانا عبیداللہ خان اعظمی : میڈم اگر جمہوریت ہی... ''مداخلت''... یڈیٹر ماری جائیں گے... ''مداخلت''... ہوم منسٹر صاحب بولیں ''...مداخلت''...]

उपसभापति : देखिए । ...**(व्यवधान)** ... एक मिनट । एक मिनट बैठिए । ...**(व्यवधान)** ... आप बैठिए एक मिनट । ...**(व्यवधान)** ... आप बैठिए । ...**(व्यवधान)** ...बैठ जाइए । ...**(व्यवधान)** ...

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी : मैडम, यह बहुत गंभीर मामला है । ...**(व्यवधान)** ... बाल ठाकरे को ...**(व्यवधान)** ...

†[مولانا عبیداللہ خان اعظمی : میڈم' یہ بہت گمبھیر معاملہ ہے... ''مداخلت'' بال ٹھاکرے کو... ''مداخلت''...]

उपसभापति : मालूम है, गंभीर है तभी तो चेयरमैन साहब ने परमिशन दिया है । देखिए, जितने मसले जीरो आवर में या 12.00 बजे के बाद उठाए जाते हैं, अगर हर मसले पर मैं होम मिनिस्टर या किसी से कहूं बोलने को there will be no limit to it . वह खुद बोलना चाहे तो उनकी मर्जी है । ...**(व्यवधान)** ...

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी : बाल ठाकरे के बारे में एक्शन क्यों नहीं लिया जाता ? ...**(व्यवधान)** ...

†[مولانا عبیداللہ خان اعظمی : بال ٹھاکرے کے بارے میں ایکشن کیوں نہیں لیا جاتا... ''مداخلت''...]

†[ ] Transliteration in Arabic Script.

THE DEPUTY CHAIRMAN : When I tell you to sit down, please sit down. *(Interruptions)*. . . .

आप बैठ जाइए । ...(व्यवधान) ...देखिए यह कोई तरीका नहीं है । आप बैठ जाइए ...(व्यवधान) ... बैठ जाइए । ...(व्यवधान) ... आप बैठिए न । ... (व्यवधान) ... अगर होम मिनिस्टर साहब ... (व्यवधान) ... एक मिनट चुप रहिए । ... (व्यवधान) ...

SHRI YASHWANT SINHA (Bihar): The Home Minister is prepared to respond. Give him a chance. *(Interruptions)* . .

He is willing to respond. *(Interruptupiloiis)*. . .

उपसभापति : आप बैठिए । ...**(व्यवधान)** ... अगर होम मिनिस्टर साहब स्वयं कुछ बोलना चाहें तो वे बोल सकते हैं । I will not instruct anybody to speak. *(Interruplions)*. . .

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): I will get the information from the Maharashtra Government and also find out from all the journalists who in fact seem to have been attacked by some anti-social elements ta that area, thereafter if a statement is necessary, certainly it will be made.

RE. CELEBRATION OF SWAMI VIVEKANANDA CENTENARY SWITZERLAND

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh) : Madam, I am glad to know that our Embassy in Switzerland is taking interest in the celebration of Swami Vivekananda Centenary in Switzerland. But the irony is that the Embassy is getting associated formally and officially with Hinduja brothers in organising this event. Madam, Hindujas, as we all know, are prime suspects in the Bofors case. They are prime suspects in

†[ ] Transliteration in Arabic Script.